BIHAR BOARD CLASS - X

2017

HINDI (हिन्दी)

द्वितीय पाली (Second Sitting)

समय: 3 घंटे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

1. (अ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें-

बंगाल तथा बिहार के नील-उत्पादक किसानों की स्थिति बहुत ही दयनीय थी। विशेषकर बिहार में नीलहे गोरों द्वारा तीनकठिया व्यवस्था प्रचलित की गयी थी , जिसमें किसानों को अपनी भूमि के 3/20 हिस्से पर नील की खेती करनी होती थी । यह सामान्यतः सबसे उपजाऊ भूमि होती थी -किसान नील की खेती नहीं करना चाहते थे, क्योंकि इससे भूमि की उर्वरता कम हो जाती थी। यद्यपि 1908 ई. में तीनकठिया व्यवस्था में कुछ सुधार लाने की कोशिश की गई थी, परन्तु इससे किसानों की गिरती हुई हालत में कोई परिवर्तन नहीं हुआ। बागान मालिक किसानों को अपनी उपज एक निश्चित धन राशि पर केवल उन्हें ही बेचने के लिए बाध्य करते थे और यह राशि बहुत ही कम होती थी। इस समय जर्मनी के वैज्ञानिकों ने कृत्रिम नीले रंग का उत्पादन करना शुरू कर दिया था जिसके परिणामस्वरूप विश्व के बाजारों में भारतीय नील की माँग गिर गई। चम्पारण के अधिकांश बागान मालिक यह महसूस करने लगे कि नील के व्यापार में अब उन्हें अधिक मुनाफा नहीं होगा। इसलिए मुनाफे को बनाये रखने के लिए उन्होंने अपने घाटों को किसानों पर लादना शुरू कर दिया। इसके लिए जो रास्ते उन्होंने अपनाए उसमें किसानों से यह कहा गया कि यदि वे उन्हें एक बड़ा मुआवजा दे दें तो किसानों को नील की खेती से मुक्ति मिल सकती है। इसके अतिरिक्त उन्होंने लगान में अत्यधिक वृद्धि कर दीं।

निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दें। (प्रत्येक 30 शब्दों तक में)

(क) नील उत्पादक किसानों की स्थिति कैसी थी ?

(ख) किसान नील की खेती क्यों नहीं कराना चाहते थे?

(ग) 1908 ई. में क्या सुधार लाने की कोशिश की गई थी ?

(घ) कृत्रिम नीले रंग का उत्पादन किसने शुरू कर दिया था?

(ङ) चम्पारण के बागान मालिक क्या महसूस करने लगे?

(च) किसानों को नील की खेती से मुक्ति के लिए कौन से रास्ते बताये गये ?

(ब) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें-

राष्ट्रवाद का शाब्दिक अर्थ होता है 'राष्ट्रीय चेतना का उदय ' ऐसी राष्ट्रीय चेतना का उदय जिसमें राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक एकीकरण का आभास हो। 19वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध तक भारत छोटे-छोटे राज्यों में विभक्त था। उस समय भारत को एकता के सूत्र में बाँधने वाले तत्त्वों का अभाव था। समान न्याय व्यवस्था का अभाव था। राष्ट्रीय एकता में कमी का अर्थ है उस अनुभूति का अभाव जो भारत में रहनेवाले सभी लोगों को समान लक्ष्य एवं समान सरोकार से जोड़े। 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में कई ऐसे तत्त्व उभरे जिनसे यह कमी दूर होती गयी एवं भारत एक सम्पूर्ण संगठित राष्ट्र का स्वरूप ग्रहण करने लगा। यही राष्ट्रवाद है एवं इसी राष्ट्रवाद की अभिव्यक्ति स्वतंत्रता संग्राम है।

निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दें। (प्रत्येक 30 शब्दों तक में)

(क) राष्ट्रवाद का शाब्दिक अर्थ क्या होता है?

(ख) किस शताब्दी के पूर्वार्द्ध तक भारत छोटे-छोटे राज्यों में विभक्त था ?

(ग) भारत में एकता के सूत्र में बाँधने वाले किन तत्त्वों का अभाव था ?

(घ) भारत सम्पूर्ण संगठित राष्ट्र का स्वरूप किस शताब्दी में ग्रहण करने लगा?

2. दिए गए संकेत विन्दुओं के आधार पर लगभग 250 शब्दों में किसी एक विषय पर निबंध लिखें।

(क) दुर्गापूजा

(i) भूमिका

(ii) पर्व मनाने के पीछे धार्मिक कथाएँ

(iii) मनाने का समय

(iv) उपसंहार

(ख) छात्र और अनुशासन

(i) भूमिका

(ii) अनुशासन का महत्त्व

(iii) अनुशासन का मार्गदर्शन

(iv) उपसंहार

(ग) मेरा प्रिय कवि

(i) भूमिका

(ii) उनकी रचना का आधार

(iii) उनकी रचना

(iv) उपसंहार ।

3. अपने मित्र के पास एक पत्र लिखें जिसमें चिड़ियाखाना भ्रमण की चर्चा करें।

अथवा

अनुपस्थिति दण्ड माफ करने के लिए प्रधानाध्यापक के पास एक आवेदन पत्र लिखें।

4. Missing Question

5. Missing Question

6. Missing Question

7. Missing Question

8. जातिप्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख और प्रत्यक्ष कारण कैसे बनी हुई है? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

9. काशू और मदन के बीच झगड़ों का कारण क्या था ? इस प्रसंग के द्वारा लेखक क्या दिखाना चाहता है ? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

10. लेखक की दृष्टि में सच्चे भारत के दर्शन कहाँ हो सकते और क्यों? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

11. बहादुर पर ही चोरी का आरोप क्यों लगाया जाता है और उस पर इस आरोप का क्या असर पड़ता है ? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

12. Missing Question

13. भारत माता अपने ही घर में प्रवासिनी क्यों बनी हुई है ? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

14. कवि किन अत्याचारियों का और क्यों जिक्र करता है? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

15. कवि को वृक्ष बूढ़ा चौकीदार क्यों लगता था ? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

16. कवि अपने को जलपात्र और मदिरा क्यों कहता है ? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

17. Missing Question

18. मंगम्मा का अपनी बहू के साथ किस बात को लेकर विवाद था? (उत्तर 40 शब्दों में दें)

19. माँ के शीर्षक की सार्थकता पर विचार करें। (उत्तर 30 शब्दों में दें)

20. सीता अपने ही घर में क्यों घुटन महसूस करती है ? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

BIHAR BOARD CLASS - X

2016

HINDI (हिन्दी)

प्रथम पाली (First Sitting)

समय: 3 घंटे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

1. (अ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें-

पुरुषार्थी एवं श्रमशील व्यक्ति ही संसार में अपने अस्तित्व की रक्षा करने में सफल हो सकता है। 'वीरभोग्या वसुंधरा' का ध्येय मंत्र ही मानवमात्र को उसके निर्धारित लक्ष्य तक पहुँचाने में सशक्त संबल है। अपने जीवन की संघर्षमय यात्रा में प्रत्येक व्यक्ति को अनेकानेक विघ्न-बाधाओं व विपत्तियों से दो-चार होते हुए निरंतर कर्म पथ पर अग्रसर होना होता है। कर्मरत मनुष्य देर-सबेर अपने अभीष्ट की प्राप्ति कर ही लेता है , जबकि कर्मभीरु या कामचोर व्यक्ति भाग्य को कोसता हुआ सदैव दुखी या कुंठित रहता है। अपना बहुमूल्य समय और कई सुअवसर खोकर भाग्यवादी व्यक्ति कभी भी अपनी मनोरथसिद्धि नहीं कर पाता, जबकि अनवरत संघर्ष एवं कर्म के मार्ग में संलग्न कर्मवीर को आत्मसंतोष तो होता ही है , वह पूरे समाज के लिए भी एक आदर्श प्रतिमूर्ति बन जाता है। वास्तव में अपने सपनों को साकार करने के लिए व्यक्ति को पुरुषार्थ का मार्ग आवश्यक रूप से चुनना पड़ता है। अपने पौरुष के द्वारा परिश्रमी व्यक्ति अपने भाग्य की रेखाओं को भी अपने अनुकूल बना लेता है। 'भाग्यं फलति सर्वत्रं न क्रिया न च पौरुषम्' उक्ति से कर्महीन व्यक्ति अपना बचाव नहीं कर सकता, क्योंकि कर्म की प्रेरणा देनेवाली गीता - योग, ज्ञान और कर्म में तल्लीन रहने की सीख देती है। यह सार्वभौम सत्य है कि पुरुषार्थ एवं कर्मपरायण के द्वारा ही जीवन में चतुर्थ वर्ग अर्थ , धर्म, काम, मोक्षादि फलों की प्राप्ति संभव है। इसलिए , व्यक्ति को जीवन में प्रमाद और आलस्य त्यागकर अनवरत कर्म पथ से संलग्न होना चाहिए।

निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दें। (प्रत्येक 30 शब्दों में)

(क) अपने अस्तित्व की रक्षा करने में कैसा व्यक्ति सफल हो सकता है?

(ख) इस पृथ्वी को कैसा व्यक्ति भोग सकता है?

https://www.bsebstudy.com

(ग) भाग्यवादी लोगों की आकांक्षाएँ पूर्ण क्यों नहीं हो पाती ?

(घ) लक्ष्य प्राप्ति के बाद कर्मवीर को समाज से क्या प्राप्त होता है ?

(घ) कर्म का हमारे जीवन में क्या महत्व है?

(ङ) चतुर्थ वर्ग का विग्रह कर उनका नाम लिखें।

(व) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें-

आज आतंकवाद ने समूचे विश्व को हिलाकर रख दिया है। विश्वशक्ति का दावा करनेवाला अमेरिका भी इससे अछूता नहीं है। भारतवर्ष के अधिसंख्य राज्य भी इससे जूझ रहे हैं। हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान के सहयोग एवं प्रोत्साहन से भारत में हमेशा हिंसा का तांडव नृत्य चलता रहता है। हम मूकदर्शक बने सीमा पार से प्रायोजित इस आतंकवाद का मुँहतोड़ जवाब भी नहीं दे पा है। प्राकृतिक आपदाओं में हुए जानमाल के नुकसान को तो सरकार-प्रशासन यह कहकर अपने कर्तव्य की इतिश्री मान लेते हैं कि इसपर मानव का कोई जोर नहीं , किंतु मानव के द्वारा मानव की हत्या के ऐसे सुनियोजित षड्यंत्रों का क्या कोई प्रतिकार अथवा समाधान हमारे कर्णधारों के पास नहीं है?" प्रश्न यह उठता है कि हमारी सरकार और नीति-नियंता पुरोधाओं की ऐसी क्या विवशता है कि वे भारतवर्ष में मकड़जाल की तरह फैले इस आतंकवाद रूपी दैत्य का संहार नहीं कर सकते। हमने इसी तरह चुप्पी साधे रखी तो वह दिन दूर नहीं जब शत्रु हमारे धैर्य को कायरता मानकर कभी हमारे घर के अंदर भी घुसने से परहेज नहीं करेगा। हम कह सकते हैं कि राजनेताओं को दलगत संकीर्णता एवं राजनीतिक स्वार्थ भाव से ऊपर उठकर एकजुट होकर कुछ ठोस पहल हेतु प्रयत्न करना चाहिए।

निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दें। (प्रत्येक 30 शब्दों में)

(क) आतंकवाद विश्व के लिए चुनौती है। कैसे?

(ख) लेखक सरकार और नीति नियंताओं से क्या अपेक्षा करता है?

(ग) राष्ट्रहित में राजनेताओं को क्या करना चाहिए?

(घ) सुनियोजित और प्रायोजित पदों में प्रयुक्त उपसर्ग बताएँ ।

2. दिए गए संकेत विन्दुओं के आधार पर लगभग 250 शब्दों में किसी एक विषय पर निबंध लिखें।

(क) राष्ट्रीय पर्व (स्वतंत्रता दिवस)

(i) भूमिका (ii) संघर्ष की गाथा (iii) परिणति (iv) पर्व की महत्ता (v) उपसंहार

(ख) मेरा प्रिय खेल

(i) भूमिका (ii) खेल का महत्त्व (iii) खेल से लाभ (iv) खेल से हानि (v) उपसंहार

(ग) होली / ईद

(i) भूमिका (ii) मनाने की तैयारी (iii) अंतरकथा (iv) लाभ एवं हानि (v) उपसंहार

3. पटना भ्रमण की चर्चा करते हुए अपने मित्र के पास पत्र लिखें।

अथवा

शुल्क मुक्ति के लिए प्रधानाध्यापक को प्रार्थना पत्र लिखें।

प्रश्न- संख्या 4 से 7 तक नये परीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

8. जाति भारतीय समाज में श्रम-विभाजन को स्वाभाविक रूप क्यों नहीं कहा जा सकता? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

9. 'विष के दाँत' कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। (उत्तर 30 शब्दों में दें)

10. भारत किस अतीत और सुदूर भविष्य को जोड़ता है ?

11. देवनागरी लिपि में कौन-सी भाषाएँ लिखी जाती है? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

प्रश्न- संख्या 12 नये परीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

13. कवि किसके बिना जगत में यह जन्म व्यर्थ मानता है?

14. कविता में 'क' का विवरण स्पष्ट करें। (उत्तर 30 शब्दों में दें)

15. परहित के लिए देह कौन धारण करता है? स्पष्ट कीजिए। (उत्तर 30 शब्दों में दें)

16. कविता का समापन करते हुए कवि अपने किन-किन आदेशों का जिक्र करता है और क्यों? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

प्रश्न- संख्या 17 नये परीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

18. 'दही वाली मंगम्मा' कहानी का कथा वाचक कौन है? उसका परिचय दीजिए। (उत्तर 40) शब्दों में दें)

19. लेखक ने कहानी का शीर्षक 'नगर' क्यों रखा? (उत्तर 30 शब्दों में दें।)

20. वल्लि अम्माल का चरित्र चित्रण करें। (उत्तर 30 शब्दों में दें)।

BIHAR BOARD CLASS - X

2016

HINDI (हिन्दी)

द्वितीय पाली (Second Sitting)

समय: 3 घंटे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

1. (अ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें-

कहानी अपनी कथावृत्ति के कारण संसार की प्राचीनतम विधा है। गल्प , कथा, आख्यायिका, कहानी इन अनेक नामों से आख्यात -विख्यात कहानी का इतिहास विविध कोणीय है। युगांतर के साथ कहानी में परिवर्तन हुए हैं और इसकी परिभाषाएँ भी बदली हैं। कहानी का रंगमंचीय संस्करण है एकांकी । इसी तरह , उपन्यास का रंगमंचीय संस्करण है नाटक। लेकिन, उपन्यास और कहानी अलग-अलग हैं। कहानी में एकान्वित प्रभाव होता है , उपन्यास में समेकित प्रभावान्विति होती है। कहानी को बुलबुला और उपन्यास को प्रवाह माना गया है। कहानी टॉर्चलाइट है , किसी एक बिंदु या वस्तु को प्रकाशित करती है। उपन्यास दिन के प्रकाश की तरह शब्दों को समान रूप से प्रकाशित करता है। कहानी में एक ओर एक घटना ही होती है। उपन्यास में प्रमुख और गौण कथाएँ होती हैं। कहानी ध्रुपद की तान की तरह है , आरंभ होते ही समाप्ति का सम-विषम उपस्थित हो जाता है। उपन्यास शास्त्रीय संगीत का आलाप है। आलाप में आधी रात गुजर जाती है। कुछ लोग दर्शक दीर्घा में सो जाते हैं , कुछ घर लौट जाते हैं। पर , कहानी शुरू हो गई तो पढ़नेवाले को खत्म तक पहुँचाने को लाचार कर देती है चाहे परोसा हुआ खाना ठंडा हो या डाकिया दरवाजे पर खड़ा हो , कहानी प्रमुख हो जाती है। उपन्यास पुस्तक से निकलकर पाठक के साथ शौचालय , शयनकक्ष, सड़क, चौराहा सर्वत्र चलने लगता है।

निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दें-

(क) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक दें।

(ख) 'कहानी' अन्य किन नामों से प्रचलित है ?

(ग) कहानी और उपन्यास में मुख्य अंतर क्या है ?

(घ) उपन्यास पुस्तक से निकलकर पाठक के साथ कहाँ-कहाँ चलने लगता है?

https://www.bsebstudy.com

(ङ) कहानी पाठक को किस प्रकार लाचार कर देती है?

(च) संसार की प्राचीनतम विधा कहानी क्यों है?

(ब) निम्नांकित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें-

लोभी मनुष्य की मानसिक स्थिति विचित्र-सी होती है। धन के प्रति उसकी ललक की तीव्रता और उत्कटता को देखकर ऐसा लगता है , मानो वह सामान्य इंसान नहीं हो। सामान्य इंसान ललक की तीव्रता का शिकार होकर तज्जन्य अशांति एवं अस्थिरता को स्वीकार कर ही नहीं सकता। धन इकट्ठा करना सभी चाहते हैं , लेकिन लोभी का धन इकट्ठा करना कुछ और ही है। वह धन इसलिए इकट्ठा करता है जिससे उसे किसी समय उसकी कमी न हो , परंतु उसे उसकी कमी हमेशा बनी ह रहती है। पहले उसकी कमी कल्पित होती है , परंतु पीछे वह यथार्थ , असली हो जाती है ; क्योंकि घर में धन रहने पर भी वह उसे काम में नहीं ला सकता। लोभ से असंतोष की वृद्धि होती है और संतोष का सुख खाक में मिल जाता है। लोभ से भूख बढ़ती है और तृप्ति घटती है। लोभ में मूलधन व्यर्थ बढ़ता है और उसका उपयोग कम होता है। का धन देखने के लिए, वृथा रक्षा करने के लिए और दूसरों को छोड़ जाने के लिए होता है। ऐसे धन से क्या लाभ ? ऐसे धन को इकट्ठा करने में अनेक कष्ट उठाने की अपेक्षा संसार भर में जितना धन है, उसे अपना ही समझना अच्छा है।

निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दें-

(क) लोभी का धन किसके काम आता है?

(ख) लोभ बुरा है, क्यों?

(ग) लोभ हमेशा धन के अभाव का अनुभव क्यों करता है?

(घ) लोभी मनुष्य सामान्य इंसान नहीं होता, क्यों?

2. दिए गए संकेत विन्दुओं के आधार पर लगभग 2500 शब्दों में किसी एक विषय पर निबंध लिखें।

(क) बढ़ती महंगाई

(i) महँगाई की मार (ii) निरन्तर बढ़ती महँगाई (iii) सरकार के दावे

(iv) आम लोगों परं प्रभाव (v) उपसंहार

(ख) भारतीय एकता

(i) भूमिका (ii) देश का भौगोलिक स्वरूप (iii) संविधान में स्थिति (iv) जातिवाद प्रभाव (v) उपसंहार

(ग) कम्प्यूटर

(i) कम्प्यूटर क्या है (ii) भारत में कम्प्यूटर : उसका सदुपयोग तथा इससे लाभ (iii) दैनिक जीवन में कम्प्यूटर (iv) कार्यालय उपयोग (iv) उपसंहार

3. परीक्षाओं की तैयारी की जानकारी के विषय में अपने मित्र के पास पत्र लिखें।

अथवा

विद्यालय में सफाई, पेयजल अथवा शौचालय की व्यवस्था के संबंध में प्रधानाध्यापक के पास एक आवेदन-पत्र लिखें।

प्रश्न- संख्या 4 से 7 तक नये परीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

8. सच्चे लोकतंत्र की स्थापना में किस लेखक ने किन विशेषताओं को आवश्यक माना है? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

9. मदन और ड्राइवर के बीच के विवाद के द्वारा कहानीकार क्या बताना चाहता है ? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

10. लेखक द्वारा नाखूनों को अस्त्र के रूप में देखना कहाँ तक संगत है ? (उत्तर 30 शब्दों में दें)।

11. परम्परा का ज्ञान किसके लिए सबसे ज्यादा आवश्यक है और क्यों? (उत्तर 30 शब्दों में दें)।

'प्रश्न संख्या 12 नये परीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

13. नेताओं के बारे में कवि की क्या राय है? (उत्तर 30 शब्दों में दें)।

14. भारतमाता का ह्रास भी राहु प्रसित क्यों दिखाई पड़ता है? (उत्तर 30 शब्दों में दें)।

15. 'स्वदेशी' कविता का मूल भाव क्या है? सारांश में लिखिए। (उत्तर 30 शब्दों में दें)।

16. कवि जनता के स्वप्न का किस तरह चित्र खींचता है?

प्रश्न- संख्या 17 नये परीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

18. लक्ष्मी की पा तंभरस्थिति का वर्णन करें। (उत्तर 40 शब्दों में दें)

19. कहानी में आयी बाढ़ का चित्रण अपने शब्दों में करें। (उत्तर 30 शब्दों में दें).

20. कुसुम के पागलपन में सुधार देख मंगु के प्रति माँ, परिवार और समाज की प्रतिक्रिया को अपने शब्दों में लिखें। (उत्तर 30 शब्दों में दें।)

BIHAR BOARD CLASS - X

2015

HINDI (हिन्दी)

प्रथम पाली (First Sitting)

समय 3 घंटे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

1. (अ) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें-

एक गुरुकुल था। विशाल और प्रख्यात उसके आचार्य भी बहुत विद्वान थे। एक दिन आचार्य ने सभी छात्रों को आँगने में एकत्रित किया और उनके सामने एक समस्या रखी कि उन्हें अपनी कन्या के विवाह के लिए धन की आवश्यकता है। कुछ धनी परिवार के बालकों ने अपने घर से धन लाकर देने की बात कही। किंतु , गुरुजी ने कहा कि इस तरह तो आपके घर वाले मुझे लालची समझेंगे। लेकिन, फिर गुरुजी ने एक उपाय बताया कि सभी विद्यार्थी चुपचाप अपने-अपने घरों से धन लाकर दें , मेरी समस्या सुलझ जाएगी। लेकिन, यह बात किसी को पता नहीं चलनी चाहिए। सभी छात्र तैयार हो गए। इस तरह गुरुजी के पास धन आना शुरू हो गया। लेकिन , एक बालक कुछ नहीं लाया। गुरुजी ने उससे पूछा कि क्या उसे गुरु की सेवा नहीं करनी है ? उसने उत्तर दिया, "ऐसी कोई बात नहीं है गुरुजी, लेकिन मुझे ऐसी कोई जगह नहीं मिली जहाँ कोई देख न रहा हो।" गुरुजी ने कहा, "कभी तो ऐसा समय आता होगा जहाँ कोई न देख रहा हो।" गुरुजी का भी ऐसा ही आदेश था। तब वह बालक बोला , "गुरुदेव ठीक है, पर ऐसे स्थान में कोई रहे न रहे, मैं तो वहाँ रहता हूँ। कोई दूसरा देखे न देखे मैं स्वयं तो अपने कुकर्मों को देखता हूँ।" आचार्य ने गले लगाते हुए कहा , "तू मेरा सच्चा शिष्य है। क्योंकि , तूने गुरु के कहने पर भी चोरी नहीं की। यह तेरे सच्चे चरित्र का सबूत है।" तू ही मेरी कन्या का सच्चा और योग्य वर है। अपनी कन्या का विवाह उससे कर दिया। विद्या ऊँचे चरित्र का निर्माण करती है और उन्नति के शिखर पर ले जाती है।

निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दें-

(क) आचार्य ने अपने शिष्यों को बुलाकर क्या कहा ?

(ख) कुछ न ला सकनेवाले शिष्य पर आचार्य क्यों प्रसन्न हुए?

(ग) आचार्य को किस धन की खोज थी? वह उन्हें किस रूप में मिला ?

(घ) गुरुकुल के आचार्य किस प्रकार के व्यक्ति थे?

(ङ) लोग उन्नति के शिखर पर कैसे पहुंचते है?

(च) इस गद्यांश का एक उचित शीर्षक दें।

(ब) निम्नांकित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दे-

सांप्रदायिक दंगों में भगतजी सड़क पर नाच नाचकर हिंदू-मुस्लिम एकता के पद गाते थे। दोनो तरफ के गुंडों को अपनी फिलम पिलाते थे। उनके मन की भड़ास सुनते और शैली मे उपदेश देते। एक बार भगतजी कहीं गायब हो गए। किसी मुसीबत में फँसे मुसलमान परिवार को किसी सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने गए थे। हिंदुओं ने मुसलमानों और मुसलमानों ने हिंदुओं पर आशंका की। बड़ी भीषण तैयारियाँ हुईं , भगतजी प्रकट हो गए और गलियों में फूटा कनस्तर बजा-बजाकर गाते फिरे 'या जग अंधा मैं केहि समुझावौं ।

निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दें-

(क) भगतजी किस प्रकार के उपदेश गुंडों को देते थे ?

(ख) भगतजी के गायब हो जाने का क्या कारण था ?

(ग) भगतजी के गायब हो जाने से समाज में क्या प्रतिक्रिया हुई ?

(घ) 'या जग अंधा मैं केहि समुझावौं' का तात्पर्य क्या है ?

2. दिए गए संकेत विन्दुओं के आधार पर लगभग 250 शब्दों में किसी एक विषय पर निबंध लिखें।

(क) वृक्षारोपण

(i) भूमिका (ii) वृक्ष की महत्ता (iii) वृक्ष से लाभ (iv) कटाई की प्रतिपूर्ति (v) उपसंहार

(ख) मेरे प्रिय नेता

(i) भूमिका (ii) बाल्यावस्था (जीवनी) (iii) राजनीति (iv) उनकी महत्ता (देशहित में) (v) उपसंहार

(ग) स्त्री शिक्षा

(i) भूमिका (ii) माँ भी, बेटी भी, दोनों रूपों में (iii) कारण (iv) समानाधिकार (v) सही दिशा (vi) उपसंहार

3. राजगीर - भ्रमण की चर्चा करते हुए अपनी दीदी के पास एक पत्र लिखें।

अथवा

जिला के ग्रामीण जलापूर्ति के अभियंता (लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग) को पाइपलाइन की मरम्मत करने हेतु एक आवेदनपत्र लिखें।

प्रश्न- संख्या 4 से 7 तक नये परीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

8. मैक्समूलर की दृष्टि में सच्चे भारत का दर्शन कहाँ हो सकता है और क्यों ?

9. परम्परा का ज्ञान किसके लिए सबसे ज्यादा आवश्यक है और क्यों ?

10. गाँधीजी बढ़िया शिक्षा किसे कहते हैं?

11. देवनागरी लिपि के अक्षरों में स्थिरता कैसे आयी ?

प्रश्न- संख्या 12 नये परीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

13. कवि रसखान ने माली-मालिन किसे कहा है और क्यों कहा है?

14. दिनकर ने जनता के स्वप्न का चित्र किस तरह खींचा हैं?

15. कवयित्री के अनुसार बेटे को आँसू कब आता है और क्यों?

16. 'हमारी नींद' शीर्षक कविता की सार्थकता पर विचार करें।

प्रश्न- संख्या 17 नये परीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

18. 'दही वाली मंगम्मा' कहानी में बहू ने सास को मनाने के लिए कौन-सा तरीका अपनाया?

19. 'बहते विश्वास कहानी की लक्ष्मी का चरित्र-चित्रण करें।

20. 'नगर' शीर्षक कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालें।

BIHAR BOARD CLASS - X

2015

HINDI (हिन्दी)

द्‌वितीय पाली (Second Sitting)

समय: 3 घंटे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

1. (अ) निम्नलिखित गद्‌यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें-

बिठोबा के आनंद का ठिकाना न था। वह एक हरिजन बालक था। बापू ने हरिजन-उद्‌धार के लिए अनशन रखा था। उन्होंने बालक के सिर पर हाथ फेरते हुए कहा , "विठोबा मैं तुम्हारे लग्‌ए संतरे से ही अनशन तोडूंगा।" बिठोवा एक-एक पैसा जोड़ने लगा। किसी का बोझा उठा देता, किसी के यहाँ झाड़ू लगा देता और किसी का कूड़ा बस्ती से दूर फेंक आता। वह इतने पैसे जोड़ना चाहता था कि दो-चार अच्छे संतरे खरीद सके , पर उसकी समस्या हल नहीं हो रही थी। बापू का अनशन टूटने का दिन भी आ गया।

बिठोबा आनंद में मग्न सब से कहता , “कल बापू मेरे संतरे से अपना अनशन तोड़ेंगे।" लोग उसे सनकी समझते। वे हँसते हुए कहते , "यह सौभाग्य तो बड़ों-बड़ों को भी दुर्लभ है, तुम किस गिनती में हो ! टोकरे -के-टोकरे संतरे आ रहे हैं।" बिठोबा सोच में पड़ गया, पर संतरे तो खरीदने ही थे। संतरे के भाव जान वह दंग रह गया। मेरे पास तो चार ही आने हैं। मुझे चार संतरे तो चाहिए हो , तभी एक गिलास रस निकलेगा। एक फलवाले ने उसे चार आने में चार छोटे-छोटे संतरे उसके हाथ में थमा दिए । विठोबा संतरे लेकर दौड़ पड़ा। बापू के अनशन तोड़ने का समय हो चला था। सब बापू की जीवन-रक्षा के लिए प्रार्थना कर रहे थे। ताजा रस निकाला जा रहा था, पर बापू राम धुन गाते हुए भी बिठोबा की प्रतीक्षा में आँख बिछाए थे। तभी दौड़ता हुआ बिठोबा आया। पर कोई उसे भीतर जाने दे तो । बापू ने पूछा, "बिठोबा नहीं आया?" खोज होने लगी। किसी ने पुकारा, "बिठोबा !" "जी हाँ ,” कहते-कहते उसका गला रुँध गया।" अरे , जल्दी भीतर चलो, बापू तुम्हें बुला रहे हैं। वे तेरे संतरों की बाट देख रहे हैं।" उसने संतरे बापू के हाथ में दे दिए। बापू ने विठोबा के सिर पर हाथ फेरते हुए उन्हीं संतरों का रस पीकर अनशन तोड़ा।

निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दें-

(क) बिठोबा कौन था? वह पैसे क्यों जोड़ना चाहता था ?

(ख) पैसे इकट्ठे करने के लिए बिठोबा को किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?

(ग) बिठोबा सनकी है– लोग उसके बारे में ऐसा क्यों सोचते थे?

(घ) बिठोबा ने कितने पैसे इकट्ठे किए और उसका क्या खरीदा?

(ङ) अनशन तोड़ने के लिए बापू किसकी बाट जोह रहे थे?

(च) इस गद्यांश का एक समुचित शीर्षक दें।

(ब) निम्नांकित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें -

मनुष्यरूपी तलवार की धार चरित्र है। अगर इस धार में तीक्ष्णता है, तो यह तलवार भले ही लोहे की हो- अपने काम में अधिक कारगर सिद्ध होती है। इसके विपरीत यदि इस तलवार की धार मोटी है, भद्दी है, तो वह तलवार-सोने की ही क्यों न हो– हमारे किसी काम की नहीं हो सकती। इस प्रकार यदि किसी का चरित्र ही नष्ट हो गया हो , तो वह मनुष्य मुर्दे से बदतर है, क्योंकि मुर्दा तो किसी और का बुरा नहीं कर सकता , पर एक चरित्रभ्रष्ट मनुष्य अपने साथ रहनेवालों को भी अपने ही रास्ते पर ले जाकर अवनति एवं सत्यानाश के भयावह गड्ढे में ढकेल सकता है।

निम्नांकित प्रश्नों के उत्तर दें-

(क) मनुष्य का चरित्र कैसा होना चाहिए?

(ख) जीवित मनुष्य मुर्दा से भी बदतर कब हो जाता है?

(ग) चरित्रभ्रष्ट व्यक्ति की संगति का प्रभाव कैसा होता है?

(घ) इस गद्यांश का एक उचित शीर्षक दें।

2. दिए गए संकेत विन्दुओं के आधार पर लगभग 250 शब्दों में किसी एक विषय पर निबंध लिखें।

(क) समय की महत्ता

(i) भूमिका (ii) समय रहते सचेत होना (iii) सदुपयोग का लाभ (iv) दुरुपयोग से हानि (v) उपसंहार

(ख) आदर्श अध्यापक

(i) भूमिका (ii) अध्ययनशीलता (iii) जो माता-पिता दोनों का प्यार दें (iv) चरित्रवान (v) आज अध्यापक की दशा (vi) उपसंहार

(ग) युवापीढ़ी और नशीले पदार्थ

(i) भूमिका (ii) युवाओं पर दुष्प्रभाव (iii) नशे के प्रकार (iv) सामाजिक बुराई (v) उपसंहार

3. सत्संगति का महत्त्व बताते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए।

अथवा

निर्धन छात्र- कोष से सहायता हेतु अपने प्रधानाध्यापक को एक पत्र लिखें।

प्रश्न- संख्या 4 से 7 तक नये परीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

8. लेखक ने पाठ में किन प्रमुख पहलुओं से जातिप्रथा को एक हानिकारक प्रथा के रूप में दिखाया है ?

9. मनुष्य बार-बार नाखूनों को क्यों काटता है?

10. डुमराँव की महत्ता किस कारण से है ?

11. मछली को छूते हुए संतू क्यों हिचक रहा था ?

प्रश्न- संख्या 12 नये परीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

13. कृष्ण को चोर क्यों कहा गया है ? कवि का अभिप्राय स्पष्ट करें।

14. छायाएँ दिशाहीन सब ओर क्यों पड़ती है स्पष्ट करें

15. वृक्ष और कवि में क्या संवाद होता है?

16. शानदार लबादा किसका गिर जाएगा और क्यों?

प्रश्न- संख्या 18 नये परीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

18. रंगप्पा कौन था और वह मंगम्मा से क्या चाहता था ?

19. कहानी के आधार पर प्रमाणित करें कि उड़ीसा का जनजीवन बाढ़ और सूखा से काफी प्रभावित है।

20. 'धरती कब तक घूमेगी' कहानी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करें।

BIHAR BOARD CLASS - X

2014

HINDI (हिन्दी)

प्रथम पाली (First Sitting)

समय: 3 घंटे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

1. (अ) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें-

विश्वविद्यालय कोई ऐसी वस्तु नहीं है जो समाज से काटकर अलग की जा सके। समाज दरिद्र है तो विश्वविद्यालय भी दरिद्र होंगे ; समाज कदाचारी है तो विश्वविद्यालय भी कदाचारी होंगे और समाज में अगर लोग आगे बढ़ने के लिए गलत रास्ते अपनाते हैं तो विश्वविद्यालय के शिक्षक और छात्र भी सही रास्तों को छोड़कर गलत रास्तों पर अवश्य चलेंगे। विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में जो अशांति फैली है , जो भ्रष्टाचार फैला है, वह सब का सब समाज में फैलकर यहाँ तक पहुँचा हैं। समाज में जब सही रास्तों का आदर था, ऊँचे मूल्यों की कद्र थी, तब कॉलेजों में भी शिक्षक और छात्र गलत रास्तों पर कदम रखने से घबराते थे। लेकिन अब समाज ने विशेषतः राजनीति ने ऊँचे मूलों की अवहेलना कर दी और अधिकांश लोगों के लिए गलत रास्ते ही सही बन गये तो फिर उसका प्रभाव कॉलेजों और विश्वविद्यालयों पर भी पड़ना अनिवार्य हो गया। छात्रों की अनुशासनहीनता की जाँच करने वाले लोग परिश्रम तो खूब करते हैं, किन्तु असली बात बोलने में घबराते हैं। सोचने की बात यह है कि पहले के छात्र सुसंयत क्यों थे ? अब वे उच्छृंखल क्यों हो रहे हैं। किसने किसको खराब किया है ? चाँद ने सितारों को बिगाड़ा है या सितारों ने मिलकर चाँद को खराब कर दिया ?

(क) समाज से काटकर किसको अलग नहीं किया जा सकता ?

(ख) विश्वविद्यालय के शिक्षक और छात्र कब गलत रास्तों पर चलेंगे?

(ग) कब शिक्षक और छात्र गलत रास्ते पर कदम रखने से घबराते थे?

(घ) कौन असली बात बोलने से घबराते है?

(ङ) ऊँचे मूल्यों की अवहेलना का नतीजा क्या हुआ ?

(च) उपर्युक्त गद्यांश का एक समुचित शीर्षक दें।

(ब) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें-

मनुष्य उत्सवप्रिय होते है। उत्सवों का एकमात्र उद्देश्य आनन्द -प्राप्ति है। यह तो सभी जानते हैं कि मनुष्य अपनी आवश्यकता की पूर्ति के लिए आजीवन प्रयत्न करता रहता है। आवश्यकता की पूर्ति होने पर सभी को सुख होता है। पर , उस सुख और उत्सव के आनन्द में बड़ा फर्क है। आवश्यकता अभाव सूचित करती है। उससे यह प्रकट होता है कि हममें किस बात की कमी है। मनुष्य जीवन ही ऐसा है कि वह किसी भी अवस्था में यह अनुभव नहीं कर सकता कि अब उसके लिए कोई आवश्यकता नहीं. रह गई है। एक के बाद दूसरी वस्तु की चिंता उसे सताती ही रहती है। इसलिए किसी एक आवश्यकता की पूर्ति से उसे जो सुख होता हैं , वह अत्यंत क्षणिक होता है ; क्योंकि तुरंत ही दूसरी आवश्यकता उपस्थित हो जाती है। उत्सव में हम किसी बात की आवश्यकता का अनुभव नहीं करते। यही नहीं, उस दिन हम अपने काम-काज छोड़कर विशुद्ध आनन्द की प्राप्ति करते हैं। यह आनंन्द जीवन का आनन्द है, काम का नहीं।

(क) मनुष्य किसलिए आजीवन प्रयत्न करर्ता रहता है?

(ख) उत्सवों का एकमात्र उद्देश्य क्या है?

(ग) मनुष्य को एक के बाद दूसरी चिंता क्यों सताती रहती है ?

(घ) आवश्यकता पूर्ति का सुख क्षणिक क्यों होता है ?

2. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत विन्दुओं के आधार पर 250 शब्दों में निबंध लिखिए।

(क) राजनीति और भ्रष्टाचार

(i) प्राचीन स्वरूप (ii) वर्तमान स्थिति (iii) सत्तालोलुपता (iv) भ्रष्ट आवरण का बोलबाला (v) समाधान के उपाय।

(ख) आदर्श विद्यार्थी

(i) भूमिका (ii) अच्छे विद्यार्थी के गुण (iii) सहपाठियों से अच्छा व्यवहार (iv) गुरुजनों के प्रति श्रद्धा एवं आज्ञाकारिता (v) उपसंहार ।

(ग) दीपावली

(i) भूमिका (ii) कब और कैसे मनाया जाता है ? (iii) पर्व मनाने के पीछे की कथाएँ एवं मान्यताएँ (iv) साफ-सफाई एवं पर्यावरण शुद्धि का पर्व (v) पटाखों से हानि (vi) उपसंहार ।

3. बोर्ड परीक्षा की तैयारी का वर्णन करते हुए अपने मित्र के पास एक पत्र लिखें।

अथवा

मुहल्ले की सड़कों पर प्रकाश की व्यवस्था करने के लिए नगरपालिका के मेयर के पास एक आवेदन पत्र लिखें।

प्रश्न- संख्या 4 से 7 तक नये परीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

8. अंबेदकर के अनुसार जाति-प्रथा के पोषक उसके पक्ष में क्या तर्क देते हैं? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

9. 'विष के दाँत' शीर्षक कहानी का नायक कौन है? तर्कपूर्ण उत्तर दें। (उत्तर 30 शब्दों में दें)

10. बिरजू महाराज के गुरु कौन थे? उनका संक्षिप्त परिचय दें। (उत्तर 30 शब्दों में दें)

11. आविन्यों में प्रत्येक वर्ष कब और कैसा समारोह हुआ करता है? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

प्रश्न- संख्या 12 नये परीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

13. रसखान रचित सवैये का भावार्थ अपने शब्दों में लिखें। (उत्तर 30 शब्दों में दें).

14. नेताओं के बारे में कविवर 'प्रेमघन' की क्या राय है? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

15. दिनकर की दृष्टि में रथ का घर्मर नाद क्या है? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

16. 'हमारी नींद' शीर्षक कविता की सार्थकता बताएँ। (उत्तर 30 शब्दों में दें)

प्रश्न- संख्या 17 नये परीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

18. सीता अपने ही घर में घुटन क्यों महसूस करती है ? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

19. मंगम्मा का अपनी बहु के साथ किस बात को लेकर विवाद था ? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

20. क्या 'ढहते विश्वास' शीर्षक कहानी का शीर्षक सार्थक है? विचार करें। (उत्तर 30 शब्दों में दें)

BIHAR BOARD CLASS - X

2014

HINDI (हिन्दी)

द्वितीय पाली (Second Sitting)

समय: 3 घंटे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

1. (अ) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें-

अपने जीवन के अंतिम वर्षों में डॉ॰ सच्चिदानन्द सिन्हा की उत्कट अभिलाषा थी कि सिन्हा लाइब्रेरी के प्रबन्ध की उपयुक्त व्यवस्था हो जाए। ट्रस्ट पहले से मौजूद था लेकिन आवश्यकता यह थी कि सरकारी उत्तरदायित्व भी स्थिर हो जाए। ऐसा मसविदा तैयार करना कि जिसमें ट्रस्ट का अस्तित्व भी न टूटे और सरकार द्वारा संस्था की देखभाल और पोषण को भी गारंटी मिल जाए , जरा टेढ़ी खीर थी। एक दिन एक चाय-पार्टी के दौरान सिन्हा साहब मेरे (जगदीश चन्द्र माथुर पास चुपके से आकर बैठ गये। सन् 1949 की बात है। मैं नया-नया शिक्षा सचिव हुआ था , लेकिन सिन्हा साहब की मौजूदगी में मेरी क्या हस्ती ? इसलिए जब मेरे पास बैठे और जरा विनीत स्वर में उन्होंने सिन्हा लाइब्रेरी की दास्तान कहनी शुरू की तो मैं सकपका गया। मन में सोचने लगा कि जो सिन्हा साहब मुख्यमंत्री , शिक्षामंत्री और गवर्नर तक से आदेश के स्वर में सिन्हा लाइब्रेरी जैसी उपयोगी संस्था के बारे में बातचीत कर सकते हैं , वह मुझ जैसे कल के छोकरे को क्यों सर चढ़ा रहे हैं। उस वक्त तो नहीं, किन्तु बाद में गौर करने पर दो बातें स्पष्ट हुईं। एक तो यह कि मैं भले ही समझता रहा हूँ मेरी लल्लो-चप्पो हो रही है किन्तु वस्तुतः उनका विनीत स्वर उसके व्यक्तित्व के उस साधारणतया अलक्षित और आर्द्र पहलू की आवाज थी, जो पुस्तकों तथा सिन्हा लाइब्रेरी के प्रति उनकी भावुकता के उमड़ने पर भी मुखरित होता था ।

(क) सिन्हा साहब लाइब्रेरी के लिए कैसा मसविदा तैयार करना चाहते थे ?

(ख) माथुर साहब क्यों सकपका गये?

(ग) सिन्हा साहब किनके साथ और किसलिए आदेशात्मक स्वर में बात कर सकते थे ?

(घ) माथुर साहब जिसे लल्लो चप्पो समझते थे, वह वास्तव में क्या था?

(ङ) कब और कौन नया नया शिक्षा सचिव हुए थे?

(च) सिन्हा साहब की कब और क्या उत्कट अभिलाषा थी?

https://www.bsebstudy.com

(ब) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें-

अब्दुर्रहीम खानखाना का जन्म 1553 ई. में हुआ था। इनकी मृत्यु सन् 1625 ई० में हुई। ये अरबी, फारसी और संस्कृत के विद्वान थे ही हिन्दी के विख्यात कवि थे। ये सम्राट् अकबर के दरबार के नवरत्नों में थे। उनमें हिन्दी के एक अन्य प्रसिद्ध कवि गंग भी थे। रहीम कवि अकबर के प्रधान सेनापति और मंत्री थे। इन्होंने अनेक युद्धों में भाग लिया था। युद्ध में सफलता प्राप्ति के कारण अकबर ने इन्हें जागीर में बड़े-बड़े सूबे दिए थे। रहीम बड़े परोपकारी और दानी भी थे। इनके हृदय में दूसरे कवि के लिए बड़े सम्मान का भाव रहता था। गंग कवि के एक छप्पय पर रहीम ने उन्हें छत्तीस लाख रुपये दे दिए थे। जब तक रहीम के पास सम्पत्ति थी , तब तक वह दिल खोलकर दान देते थे। रहीम की काव्य उक्तियाँ बड़ी मार्मिक हैं क्योंकि वे हृदय से स्वाभाविक रूप से निःसृत हुई हैं।

(क) रहीम का जन्म और मृत्यु कब हुआ था ?

(ख) रहीम किन विषयों के विद्वान तथा किसके प्रसिद्ध कवि थे?

(ग) रहीम बड़े परोपकारी और दानी थे। कैसे ?

(घ) किनकी काव्य उक्तियाँ मार्मिक हैं और क्यों?

2. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत विन्दुओं के आधार पर 250 शब्दों में निबंध लिखिए।

(क) बिजली की आवश्यकता

(i) भूमिका (ii) बिजली ऊर्जा का महत्वपूर्ण स्रोत (iii) घर, कार्यालय, कारखाना, यातायात सब बिजली पर निर्भर (iv) खपत अधिक उत्पादन कम (v) अधिक उत्पादन एवं सही वितरण की आवश्यकता (vi) उपसंहार ।

(ख) छात्र और अनुशासन

(i) भूमिका (ii) अनुशासन का महत्व (iii) अनुशासन के अभाव में उच्छृंखलता (iv) अनुशासन ही छात्र को सही दिशा दिखलता है (v) उपसंहार ।

https://www.bsebstudy.com

(ग) मेरे आदर्श महापुरुष

(i) भूमिका (ii) महापुरुष का परिचय (iii) महापुरुष का आधार (iv) सामान्य जन के लिए उनका संदेश (v) उपसंहार ।

3. अपने मित्र के पास एक पत्र लिखें जिसमें विद्यालय में आयोजित की गई विज्ञान प्रदर्शनी का वर्णन हो ।

अथवा

मुहल्ले में फैले डेंगू के प्रकोप के लिए नगरपालिका के मेयर के पास समुचित उपाय करने के लिए एक आवेदन पत्र लिखें।

प्रश्न-संख्या 4 से 7 तक नये परीक्षा पैटर्नके अनुरूप नही है ।

8. जाति भारतीय में श्रम-विभाजन का स्वाभविक रूप क्यों नही कही जा सकती? (उत्तर 30 शब्दों में दे)

9. खोखा किन मामलों में अपवाद था? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

10. धर्म की दृष्टि से भारत का क्या महत्व है? 'भारत से हम क्या सीखें' पाठ के आधार पर बताएँ । (उत्तर 30 शब्दों में दें)

11. बिरजू महाराज का अपने शागिर्दों के बारे में क्या राय है? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

12. "जो नर दुख में दुख नहीं मानै" कविता का भावार्थ लिखें। (उत्तर 30 शब्दों में दें)

13. छायाएँ दिशाहीन सब ओर क्यों पड़ती हैं? 'हिरोशिमा' शीर्षक कविता के आधार पर स्पष्ट करें। (उत्तर 30 शब्दों में दें)

14. कवि रेनर मारिया रिल्के ने अपने को जलपात्र और मदिरा क्यों कहा है? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

15. "देवता मिलेंगे खेतों में खलिहानों में" पंक्ति के माध्यम से कवि किस देवता की बात करते हैं और क्यों ? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

प्रश्न- संख्या 16 से 17 तक नये परीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

18. मंगम्मा का चरित्र चित्रण कीजिए। (उत्तर 40 शब्दों में दें)

19. मंगु के प्रति माँ और परिवार के अन्य सदस्यों के व्यवहार में जो फर्क है उसे अपने शब्दों में लिखें। (उत्तर 30 शब्दों में दें)

20. पाप्पाति कौन थी और वह शहर क्यों लाई गई थी? (उत्तर 30 शब्दों में दें)

BIHAR BOARD CLASS - X

2013

HINDI (हिन्दी)

समय: 3 घंटे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

1. (अ) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे गये प्रश्नों का उत्तर लिखें-

हमारी हिन्दी सजीव भाषा है। इसी कारण, इसने अरबी, फारसी आदि के संपर्क में आकर इनके तो शब्द संग्रह किये ही हैं , अब अंग्रेजी के भी शब्द ग्रहण करती जा रही है। इसे दोष नहीं, गुण ही समझना चाहिए , क्योंकि अपनी इस ग्रहणशक्ति से हिन्दी अपनी बृद्धि कर रही है, ह्रास नहीं । ज्यों-ज्यों इसका प्रचार बढ़ेगा , त्यों-ज्यों इसमें नये शब्दों का आगमन होता जायेगा। क्या भाषा की विशुद्धता के किसी भी पक्षपाती में यह शक्ति है कि वह विभिन्न जातियों के पारस्परिक संबंध को न. होने दे या भाषाओं की सम्मिश्रण क्रिया में रुकावट पैदा कर दे ? वह कभी संभव नहीं। हमें तो केवल इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि इस सम्मिश्रण के कारण हमारी भाषा अपने स्वरूप को तो नहीं नष्ट कर रही, कहीं अन्य भाषों के बेमेल शब्दों के मिश्रण से अपना रूप तो विकृत नहीं कर रही अभिप्राय यह है कि दूसरी भाषाओं के शब्द , मुहावरे आदि ग्रहण करने पर भी हिन्दी, हिन्दी ही बनी रही है या नहीं, बिगड़कर कहीं वह कुछ और तो नहीं होती जा रही है ?

(क) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक दें।

(ख) सजीव भाषा से क्या तात्पर्य है?

(ग) हिन्दी में नये शब्दों का आगमन क्यों उचित है ?

(घ) हिन्दी में नये शब्दों को अपनाते समय किस बात का ध्यान रखना चाहिए?

(ङ) भाषा की विशुद्धता क्या है ?

(च) हिन्दी भाषा की किस विशेषता को दोष नहीं गुण माना गया है?

(ब) निम्नांकित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे गये प्रश्नों का उत्तर लिखें-

साहित्योन्नति के साधनों में पुस्तकालयों का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। इनके द्वारा साहित्य के जीवन की रक्षा , पुष्टि और अभिवृद्धि होती है। पुस्तकालय सभ्यता के इतिहास का जीता-जागता गवाह है। इसी के बल पर वर्तमान भारत को अपने अतीत के गौरव पर गर्व है। पुस्तकालय भारत के लिए कोई नयी वस्तु नहीं है। लिपि के आविष्कार से आज तक लोग निरन्तर पुस्तकों का संग्रह करते रहे हैं। पहले देवालय , विद्यालय और नृपालय , इन संग्रहों के प्रमुख स्थान होते थे। इनके अतिरिक्त विद्वज्जनों के अपने निजी पुस्तकालय भी होते थे। मुद्रणकला के आविष्कार से पूर्व पुस्तकों का संग्रह करना आजकल की तरह सरल बात न थी। आजकल साधारण स्थिति के पुस्तकालय में जितनी संपत्ति लगती है , उतनी उन दिनों कभी-कभी एक पुस्तक की तैयारी में लग जाया करती थी। भारत के पुस्तकालय संसार भर में अपना स्थान नहीं रखते थे। प्राचीन काल से मुगल -सम्राटों के समय तक य ही स्थिति रही। चीन, फ्रांस प्रभृति सुदुरस्थित देशों से झुण्ड -के-झुण्ड विद्यानुरागी लंबी यात्राएँ करके भारत आया करते थे।

(क) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक क्या हो सकता है?

(ख) पुराने समय में अधिक व्यय क्यों होता था ?

(ग) पुस्तकालय का प्रारंभ कब से हुआ?

(घ) साहित्य की उन्नति का सबसे अधिक महत्वपूर्ण स्थान क्या है?

2. (अ) कम्प्यूटर शिक्षा की अनिवार्यता पर शिक्षक एवं छात्रों के बीच संवाद लिखें।

अथवा

अपने विद्यालय में मनाये गये 'बिहार दिवस' का वर्णन करते हुए मित्र के पास एक पत्र लिखें।

(ब) निम्नलिखित में से किसी एक पर संकेत बिंदु के आधार पर 250 शब्दों में निबंध लिखें-

(क) भ्रष्टाचार-समस्या और समाधान

(i) भूमिका (ii) कारण (iii) भ्रष्टाचार का दुष्परिणाम

(iv) निराकरण के उपाय (v) उपसंहार

(ख) प्रदूषण

(i) भूमिका (ii) प्रदूषण का कारण (iii) प्रदूषण का परिणाम

(iv) बचाव या उपाय(v) उपसंहार

(ग) वैज्ञानिक आविष्कार का सामाजिक सदुपयोग

(i) वैज्ञानिक आविष्कार का परिचय (ii) इसकी आवश्यकता (iii) इसकी उपयोगिता (iv) हानि (v) उपसंहार

(घ) मेरे प्रिय शिक्षक

(i) भूमिका (ii) शिक्षक का परिचय (iii) सर्वप्रियता का आधार (iv) उपसंहार

प्रश्न- संख्या 3 से 5 तक नये परीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

6. (अ) प्राप्पति कौन थी? उसे शहर क्यों लाया गया था?

(ब) माँ मंगु को अस्पताल में क्यों नहीं भर्ती कराना चाहती थी?

7. बहु ने सास को मनाने के लिए कौन-सा तरीका अपनाया?

8. गाँधीजी बढ़िया शिक्षा किसे कहते हैं?

9. लेखक द्वारा नाखूनों को अस्त्र के रूप में देखना कहाँ तक संगत है ?

10. मछली और दीदी में क्या समानता है? स्पष्ट करें।

11. बिरजू महाराज के गुरु कौन थे? उनका संक्षिप्त परिचय दें।

12. कवि प्रेममार्ग को 'अतिसूधो' क्यों कहता है? इस मार्ग की विशेषता क्या है?

13. मक्खी के जीवन क्रम का कवि द्वारा उल्लेख किये जाने का क्या आशय है?

14. 'भारतमाता' कविता में कवि भारतवासियों का कैसा चित्र खींचता है?

15. लक्ष्मी कौन थी ? उसकी पारिवारिक परिस्थिति का चित्र प्रस्तुत करें।

प्रश्न- संख्या 16 से 18 तक नये परीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

BIHAR BOARD CLASS - X

2012

HINDI (हिन्दी)

समय: 3 घंटे 15 मिनट] [पूर्णांक 100

1. (अ) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए दो अंक निर्धारित हैं।

साहित्योन्नति के साधनों में पुस्तकालयों का स्थान महत्वपूर्ण है। इनके द्वारा साहित्य के जीवन की रक्षा, पुष्टि और अभिवृद्धि होती है। पुस्तकालय सभ्यता के इतिहास का जीता जागता गवाह है। इसी के बल पर वर्तमान भारत को अपने अतीत के गौरव पर गर्व है। पुस्तकालय भारत के लिए कोई नई वस्तु नहीं है। लिपि के आविष्कार से आज तक लोग निरन्तर पुस्तकों का संग्रह करते रहे हैं। पहले देवालय, विद्यालय और नवालय, इन संग्रहों के प्रमुख स्थान होते थे। आजकल साधारण स्थिति के पुस्तकालय में जितनी सम्पत्ति लगती है, उतनी उन दिनों कभी-कभी एक पुस्तक की तैयारी में लग जाया करती थी। प्राचीन काल से मुगल सम्राटों के समय तक यही स्थिति रही। चीन, फ्रांस आदि सुदूर स्थित देशों झुण्ड के झुण्ड विद्यानुरागी लम्बी यात्राएँ करके भारत आया करते थे।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का एक समुचित शीर्षक दें।

(ख) पुस्तकालयों के कारण भारत को क्या गौरव प्राप्त था ?

(ग) पुराने समय में अधिक व्यय क्यों होता था?

(घ) साहित्य की उन्नति का सबसे अधिक महत्वपूर्ण साधन क्या है?

(ङ) पहले पुस्तकालय किन-किन स्थानों पर हुआ करते थे ?

(च) पुस्तकालय का प्रारंभ कब से हुआ ?

(व) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं।

हमारी धरती ने बापू को जन्म दिया, किन्तु इस धरती को यह सौभाग्य न हुआ कि जो महापुरुष देश की पराधीनता की बेड़ियाँ काटे और देश की प्रतिष्ठा को संसार में ऊँचा ले

जाये, उसका हम स्वागत कर सकें। वह अपने द्वारा प्रतिष्ठापित स्वतंत्र राष्ट्र में जीवित रहकर विश्वशांति और विश्ववन्धुत्व का अपना सपना पूरा कर दिए। महात्मा जी को इससे अच्छी मृत्यु क्या मिल सकती थी कि मानवता की रक्षा करते हुए उन्होंने प्राण गँवा दिए?

(क) महात्मा जी ने हमारे लिए क्या किया ?

(ख) रेखांकित शब्दों के अर्थ लिखिए।

(ग) क्या महात्मा जी विश्वशांति और विश्वबन्धुत्व का अपना सपना पूरा कर सके ?

(घ) उचित शीर्षक दें।

2. निम्नलिखित में से किसी एक पर 250 शब्दों में निबंध लिखें।

(i) दीपावली

(क) भूमिका (ख) दीपावली कब और क्यों मनाते हैं? (ग) इससे लाभ और हानि क्या है ? (घ) उपसंहार।

(ii) 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस)

(क) भूमिका (ख) इसे राष्ट्रीय पर्व क्यों कहते हैं ? (ग) 26 जनवरी को हमारा राष्ट्र गणतंत्र था या स्वतंत्र ? इस दिन हम नतमस्तक होकर क्यों झंडा फहराते हैं? (घ) उपसंहार ।

(iii) जवाहर लाल नेहरू

(क) भूमिका (ख) जवाहर लाल कौन थे? उनकी जीवनी पर प्रकाश डालें। (ग) उन्होंने देश के लिए क्या किया ? (घ) उपसंहार ।

3. अपने पिता के पास एक पत्र लिखिए जिसमें अपने छात्रावास के अनुभव का वर्णन कीजिए।

अथवा

रोगी को डॉक्टर के बीच वार्तालाप का संवाद लिखिए।

प्रश्न- संख्या 4 से 6 तक नये परीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं।-

7. कवि 'स्वदेशी' कविता में समाज के किस वर्ग की आलोचना करता है और क्यों ?

8. "प्रेम अनि श्री राधिका" कविता में माली-मालिन किन्हें और क्यों कहा है?

9. "मेरे बिना तुम प्रभु" कविता के आधार पर भक्त और भगवान के बीच के संबंध पर प्रकाश डालिए।

10. कवि किस तरह के बंगाल में एक दिन लौटकर आने की बात करता है?

प्रश्न- संख्या 11 नयेःपरीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

12. 'अक्षर ज्ञान' कविता में बेटे के आँसू कब आते हैं और क्यों?

13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं।

(क) कवि को वृक्ष बूढ़ा चौकीदार क्यों लगता था ?

(ख) हिरोशिमा में मनुष्य की साखी के रूप में क्या है?

(ग) कवि की दृष्टि में समय के रथ का घर्घर नाद क्या है? स्पष्ट कीजिए ।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।

14. समस्त भूमंडल में सर्वविद् संपदा और प्राकृतिक सौदर्य से परिपूर्ण देश भारत है।" लेखक ने ऐसा क्यों कहा है ?

15. 'विष के दाँत' कहानी का सारांश लिखें।

अथवा

नागरी लिपि कब तक सार्वदेशिक लिपि थी ?

16. शिक्षा का ध्येय गाँधीजी क्या मानते थे और क्यों ?

17. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक निर्धारित हैं।

(क) लखनऊ और रामपुर से बिरजू महाराज का क्या संबंध है ?

(ख) डुमराँव की महता किस कारण से है?

(ग) भारतभाता कहाँ निवास करती है?

(घ) धर्मों की दृष्टि से भारत का क्या महत्व है?

18. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित हैं।

(क) लक्ष्मी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालें।

(ख) मंगम्मा का अपनी बहू के साथ किस बात को लेकर विवाद थी ?

(ग) पाप्पाति कौन थी और वह शहर क्यों लायी गयी थी ?

BIHAR BOARD CLASS - X

2011

HINDI (हिन्दी)

समय: 3 घंटे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

प्रश्न- संख्या 1 से 2 तक नये परीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

3. सही विकल्प चुनकर उत्तर दें-

(i) जिसके शेखर पर चन्द्र हो के लिए एक शब्द है

(क) शेखरचन्द्र

(ख) चन्द्रशेखर

(ग) चन्द्रमाशेखर

(घ) शेखर चन्द्रमा

(ii) अमावस्या का विपरीतार्थक शब्द है

(क) पूर्णिमा

(ख) कालिमा

(ग) श्वेतिमा

(घ) सर्वग्रास

(iii) 'क' वर्ण का उच्चारण स्थान है

(क) कंठ

(ख) तालु

(ग) दंत

(घ) मूर्द्धा

(iv) सूक्ति का संधि-विच्छेद है

(क) स + उक्ति

(ख) सु + उक्ति

(ग) सू+ उक्ति

(घ) शू + उक्ति

(v) 'यथाशक्ति' कौन समास है?

(क) कर्मधारय

(ख) द्वन्द्व

(ग) अव्ययीभाव

(घ) बहुव्रीहि

4. (अ) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें-

कहानी अपनी कथा-वृत्ति के कारण संसार की प्राचीनतम विधा है। गल्प, कथा, आख्यायिका, कहानी इन अनेक नामों से आख्यात-विख्यात कहानी का इतिहास विविध कोणीय है। युगान्तर के साथ कहानी में परिवर्तन हुए हैं और इसकी परिभाषाएँ भी बदली हैं। कहानी का रंगमंचीय संस्करण है एकांकी । इसी तरह उपन्यास का रंगमंचीय संस्करण है नाटक। लेकिन उपन्यास और कहानी अलग-अलग हैं। कहानी में एकान्वित प्रभाव होता है, उपन्यास में समेकित प्रभावान्विति होती है। कहानी को बुलबुला और उपन्यास को प्रवाह माना गया है। कहानी टार्चलाइट है, किसी एक बिन्दु या वस्तु को प्रकाशित करती है, उपन्यास दिन के प्रकाश की तरह शब्दों को समान रूप से प्रकाशित करता है। कहानी में एक और एक घटना ही होती है। उपन्यास में प्रमुख और गौण कथाएँ होती हैं। कहानी ध्रुपद की तान की तरह है, आरम्भ होते ही समाप्ति का सम-विषम उपस्थित हो जाता है। उपन्यास शास्त्रीय संगीत का आलाप है। आलाप में आधी रात गुजर जाती है। कुछ लोग दर्शक दीर्घा में सो जाते हैं, कुछ घर लौट जाते हैं पर कहानी शुरू हो गयी तो पढ़ने वाले को खत्म तक पहुँचने 'को लाचार कर देती है। चाहे

परोसा गया खाना तब ठंडा हो या डाकिया दरवाजे पर खड़ा हो। कहानी प्रमुख हो जाती है। उपन्यास पुस्तक से निकलकर पाठक के साथ शौचालय, शयनगृह, चौराहा सड़क सर्वत्र चलने लगता है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश का एक समुचित शीर्षक दें।

(ख) 'कहानी' 'अन्य किन मानों से आख्यात-विख्यात है?

(ग) कहानी और उपन्यास में मुख्य अन्तर क्या है?

(घ) उपन्यास पुस्तक से निकलकर पाठक के साथ कहाँ-कहाँ चलने लगता है?

(ङ) कहानी पाठक को किस प्रकार लाचार कर देती है ?

(च) संसार की प्राचीनतम विधा कहानी क्यों है?

(ब) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें-

प्रकृति और मनुष्य का सम्बन्ध ऐतिहासिक दृष्टि से काफी बाद में शुरू हुआ, क्योंकि प्रकृति पहले से थी, मनुष्य बाद में आया। लेकिन अपने विकास के क्रम में मनुष्य ने शीघ्र ही प्रकृति पर अपनी इच्छा आरोपित करनी चाही और तब से संघर्ष और स्वीकृति का एक लोमहर्षक नाटक मनुष्य और प्रकृति के बीच चला आ रहा है। आज भी मनुष्य प्रकृति का ही पुत्र है। जन्म, जीवन, यौवन, जरा, मरण आदि अपनी अनेक स्थितियों में वह आज भी प्राकृतिक नियमों से मुक्त नहीं हो सका है। इसके बावजूद निरन्तर उसकी चेष्टा यही रही है कि वह ज्ञान-विज्ञान की अपनी सामूहिक उद्यमशीलता के बल पर प्रकृति को पूर्णतः अपने वश में कर ले। यह इतिहास मनुष्य के विजय और प्रगति का इतिहास है या उसकी पराजय और दुर्गति का, इसे वह स्वयं भी ठीक-ठीक नहीं समझ सका है। पर जिसे हम मनुष्य की जयगाथा कहकर पुलकित हो रहे हैं, वह असल में मनुष्य की पराजय, बल्कि उसके आत्म- हनन की गाथा है।

(क) प्रस्तुत गद्यांश का एक उपयुक्त शीर्षक दें।

(ख) विकास के क्रम में मनुष्य किसपर और क्या आरोपित करना चाहा ?

(ग) मनुष्य क्या ठीक-ठीक नहीं समझ सका है?

(घ) मनुष्य के पराजय और आत्म- हनन की गाथा क्या है ?

5. (अ) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर 250 शब्दों में निबंध लिखिए।

(क) प्रगति के पथ पर विहार

(i) भूमिका (ii) गौरवपूर्ण अतीत (iii) विभाजन के बाद की स्थिति (iv) सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक प्रगति (iv) वर्तमान समय की उपलब्धियाँ तथा उज्ज्वल भविष्य के संकेत (v) उपसंहार ।

(ख) दहेज प्रथा - एक अभिशाप

(i) भूमिका (ii) प्राचीन काल में इसके रूप (iii) वर्तमान काल में इसकी विडम्बना (iv) दहेज प्रथा के कुपरिणाम (iv) इसे रोकने के कानूनी प्रावधान (v) उपसंहार ।

(ग) मेरे प्रिय कवि या लेखक

(i) भूमिका (ii) रचनाकार का परिचय (iii) उनकी प्रसिद्ध रचनाएँ (iv) सर्वप्रियता का आधार (iv) उपसंहार ।

(घ) विज्ञान : वरदान या अभिशाप

(i) भूमिका (ii) वर्तमान युग : विज्ञान युग (iii) विज्ञान का दुरुपयोग (iv) उपसंहार।

(ब) खाद्य - वस्तुओं के बढ़े हुए मूल्य पर एक किराना दुकानदार एवं ग्राहक के बीच संवाद लिखें।

अथवा,

विद्यालय में हुए साइकिल-वितरण समारोह की चर्चा करते हुए अपने दादाजी को एक पत्र लिखें।

6. मंगम्मा का चरित्र-चित्रण कीजिए।

7. माँ मंगु को अस्पताल में क्यों नहीं भर्ती कराना चाहती है? विचार करें।

8. (अ) सीता अपने ही घर में घुटन क्यों महसूस करती है?

(ब) लेखक ने कहानी का शीर्षक 'नगर' क्यों रखा? स्पष्ट करें।

9. खोखा किन मामलों में अपवाद था ?

10. अम्बेदकर के अनुसार जाति-प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख और प्रत्यक्ष कारण कैसे बनी हुई है?

11. अपने शब्दों में पहली बार दिखे बहादुर का वर्णन कीजिए।

12. 'बिस्मिल्ला खाँ मतलब - बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई। एक कलाकार के रूप में बिस्मिल्ला खाँ परिचय पाठ के आधार पर दें।

प्रश्न- संख्या 13 नये परीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

14. 'हमारी नींद' शीर्षक कविता में कवि ने किन अत्याचारियों का जिक्र किया है और क्यों?

प्रश्न- संख्या 15 से 16 तक नये परीक्षा पैटर्न के अनुरूप नहीं है।

17. कवि ने डफाली किसे कहा है और क्यों ?

18. कवि की दृष्टि में आज के देवता कौन हैं और वे कहाँ मिलेंगे ?